शुक्रवार
11 सितम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 230
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94   email: doonvalley_news@yahoo.com   Website: dunvalleymail.com   डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हरिद्वार में 15 एकड़ में बनेगा ईएसआई हॉस्पिटल

हमारे संवाददाता

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान दस प्रस्ताव कैबिनेट में आए। इस दौरान मेडिकल इंटर्न के स्टाइपेंड और अधिकवक्ताओं के मानदेय को लेकर भी प्रस्ताव पास किए गए। साथ ही कर्मचारी राज्य बीमा निगम निदेशालय हरिद्वार की जमीन के निकट सलेमपुर में 15 एकड़ भूमि ईएसआई अस्पताल को देने पर भी मुहर लगायी गयी है।

कैबिनेट बैठक के अहम फैसले
◆मेडिकल इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़ाया, अधिवक्ताओं का मानदेय भी बढ़ा

कैबिनेट बैठक में जो प्रस्ताव आये उनमें उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग की वार्षिक रिपोर्ट को विधानसभा पटल पर रखने को मंजूरी दी गई। साथ ही उत्तराखंड कारागार की सेवा नियमावली के तहत अपर महानिरीक्षक कारागार के एक पद को संवर्गीय ढांचे में रखने को मंजूरी मिली।

शासकीय अधिवक्ताओं के शुल्क की दरों का पुनर्निर्धारण होगा। सुप्रीमकोर्ट, हाई कोर्ट व अधीनस्थ न्यायालयों के अधिवक्ताओं का मानदेय बढ़ाया गया। पांच राजकीय मेडिकल कॉलेज में मेडिकल इंटर्न स्टूडेंट्स का स्टाइपेंड 25,000 रुपए कर दिया गया है। पहले ये 17,000 रुपये था। कैबिनेट में यह भी फैसला लिया गया है कि अपर सहायक व्यायाम के 33 पद सृजित किये जायेगें यह मेडल विनर खिलाड़ियों के लिए आरक्षित होंगे। खेल नीति 2021 के तहत अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय खेलों के मैडल विजेता खिलाड़ियों को 245 पदों पर नियुक्ति का प्रस्ताव आया। युवा कल्याण, परिवहन, शिक्षा आदि विभागों में नौकरी मिलेगी। साथ ही मसूरी जीएमवीएन की पार्किंग में से 972 गज जमीन गढ़वाल सभा को मिलेगी। कर्मचारी राज्य बीमा निगम निदेशालय हरिद्वार की जमीन के निकट सलेमपुर में 15 एकड़ भूमि ईएसआई अस्पताल को देने पर भी मुहर लगायी गयी है। कैबिनेट के एक अहम फैसले में कहा गया है कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान होगा। इसमें मंत्री और प्रभारी शामिल होंगे।

17 सितंबर को धार्मिक स्थलों में आशीर्वाद का दीया जलेगा। आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम होंगे। जनसहभागिता के माध्यम से सभी लोग राष्ट्र निर्माण में स्वेच्छा से कोई भी जैसे वृक्षारोपण, सफाई कार्य कर सकते हैं। अलग-अलग संगठन को इसमें जोड़ना है। बच्चों के लिए अलग से प्रतियोगिता होंगी। नुक्कड़ नाटक से सरकार की उपलब्धि को जनता के बीच पहुंचाएंगे। नवाचार के लिए प्लेटफार्म बनेगा। बेस्ट नवाचार को पुरस्कृत किया जाएगा। विकसित भारत का एक कलश किसी एक चौराहे पर स्थापित होगा। उस चौराहे के नाम भी विकसित भारत के नाम से होगा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राज्य से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक में कुल 17 प्रस्ताव आए, जिनमें सहकारिता, परिवहन, स्वास्थ्य और कार्मिक विभाग से जुड़े फैसले शामिल हैं।

कैबिनेट बैठक की अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी ने ब्रीफिंग की। कैबिनेट ने उत्तराखंड राज्य सहकारिता नीति-2026 को मंजूरी देते हुए इसके तहत सात मिशन निर्धारित किए हैं। परिवहन क्षेत्र में उत्तराखंड मोटरयान कराधान सुधार अधिनियम को मंजूरी दी गई है। उत्तराखंड में सीएनजी वाहनों को ग्रीन सेस में मिलने वाली छूट जारी रहेगी, जबकि हाइब्रिड वाहनों को दी जा रही राहत वापस ले ली गई है।

कैबिनेट ने अलग-अलग राज्यों की ईवी पॉलिसी का अध्ययन करने के बाद उत्तराखंड की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार करने के निर्देश मुख्यमंत्री की ओर से दिए हैं। उत्तराखंड चिकित्सा एवं परिवार कल्याण सांख्यिक संवर्ग को भी मंजूरी दी गई है। औषधि और सर्जिकल सामग्री की खरीद के लिए उत्तराखंड मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन के गठन को मंजूरी मिली है। यह कॉरपोरेशन मुख्य सचिव की अगुवाई में काम करेगा और औषधि , सर्जिकल सामग्री व रसायनों की खरीद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के लिए हरिद्वार में एक एकड़ भूमि देने और कारापाल सेवा नियमावली को मंजूरी देने का निर्णय भी लिया गया।

देहरादून बार एसोसिएशन को जल्द मिलेगा अपना प्रोफेशनल ऑफिस भवन!

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि देहरादून बार एसोसिएशन को जल्द अपना प्रोफेशनल ऑफिस भवन मिलेगा।

आज यहां जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) एवं बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। देहरादून बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के लिए प्रस्तावित प्रोफेशनल ऑफिस भवन के डिजाइन एवं निर्माण योजना को लेकर बैठक की। बैठक में एमडीडीए की सीनियर आर्किटेक्ट दृष्टि जैन ने प्रस्तावित भवन की डिजाइन एवं निर्माण योजना की जानकारी देते हुए बताया कि भवन निर्माण के लिए 8,881.28 वर्ग मीटर भूमि का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। प्रस्तावित भवन में ग्राउंड फ्लोर के अतिरिक्त सात मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। भवन में अधिवक्ताओं के लिए 10ग10 आकार के चौंबर प्रस्तावित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि भवन के डिजाइन में अधिवक्ताओं एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश एवं निकासी के लिए समुचित व्यवस्था, वाहन पार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को शामिल किया गया है। भवन के स्वरूप एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तकनीकी पहलुओं का भी प्लान में समावेश किया गया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन के डिजाइन एवं निर्माण योजना में फायर सेफ्टी प्लान, इमरजेंसी एग्जिट और लिफ्ट सिस्टम का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि भवन में अधिवक्ताओं के साथ ही आमजन का भी आवागमन रहेगा, इसलिए सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं और भवन निर्माण के फाइनल प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाए।

बैठक में एमडीडीए के अधिशासी अभियंता एसएस रावत, सीनियर आर्किटेक्ट दृष्टि जैन, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुकरेती, सचिव अजय बिष्ट, सीनियर काउंसिल आरएस रावत, प्रेम चंद्र शर्मा, अनुराग गुप्ता एवं धर्मवीर नेगी उपस्थित रहे।

चाचा का हत्यारोपी भतीजा गिरफ्तार!

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। चाचा की हत्या में फरार चल रहे आरोपी भतीजे को पुलिस ने आज सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 7 सितम्बर 2026 को मोरी प्रखंड के राजस्व क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरी में आरोपी द्वारा करमचन्द पुत्र ढ़टीराम, निवासी ग्राम बरी, उम्र 38 वर्ष पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई थी। आरोपी मृतक करमचंद का भतीजा बताया जाता है। घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी आरोपी मौके से फरार हो गया था। मामले में दिनांक 08 सितम्बर 2026 को मृतक की पत्नी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना मोरी पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीमों को आज सुबह एक सूचना के बाद हत्यारोपी को कस्बा मोरी से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बदलती विश्व की व्यवस्था

ब्रिक्स का बढ़ता दायरा अब केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है। वैश्विक राजनीति में बदलते शक्ति-संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति शृंखलाओं की अस्थिरता और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने इस समूह के सामने सहयोग के नए क्षेत्र खोल दिए हैं। ऐसे समय में रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र पर बढ़ता जोर महज रणनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि उभरती बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की स्पष्ट तस्वीर भी है। ब्रिक्स की मूल अवधारणा आर्थिक सहयोग और विकास से जुड़ी रही है, लेकिन दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच अंतर लगातार कम हो रहा है। ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उद्योग प्रभावित होते हैं, महंगाई बढ़ती है और अर्थव्यवस्था पर दबाव आता है। इसी तरह महत्वपूर्ण तकनीक, रक्षा उपकरण और रणनीतिक संसाधनों के लिए कुछ सीमित देशों पर निर्भरता किसी भी राष्ट्र की सामरिक स्वायत्तता को कमजोर कर सकती है। यही वजह है कि ब्रिक्स देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को नई प्राथमिकता मिलना स्वाभाविक है। तेल और गैस से आगे बढ़कर परमाणु ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग आने वाले वर्षों में निर्णायक हो सकता है। दुनिया का ऊर्जा संक्रमण जितना तेज होगा, उतना ही महत्वपूर्ण यह सवाल होगा कि नई ऊर्जा अर्थव्यवस्था के संसाधनों और तकनीक पर नियंत्रण किसका होगा। भारत के लिए यहां अवसर भी है और चुनौती भी। भारत एक ओर तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और विशाल ऊर्जा जरूरतों वाला देश है, तो दूसरी ओर वह ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाना चाहता है। ब्रिक्स के मंच पर भारत को अपने हितों के अनुरूप ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश करनी चाहिए, जिसमें ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित हो, कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता कम हो और नई ऊर्जा तकनीकों तक विकासशील देशों की पहुंच बढ़े। रक्षा क्षेत्र में सहयोग का सवाल इससे भी अधिक संवेदनशील है। ब्रिक्स को यदि रक्षा सहयोग की दिशा में आगे बढ़ना है तो उसकी प्राथमिकता किसी सैन्य गुट के निर्माण की बजाय रक्षा तकनीक, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और रक्षा उत्पादन में तकनीकी साझेदारी होनी चाहिए। ब्रिक्स को नाटो जैसी सैन्य संरचना में बदलने की कोशिश न तो व्यावहारिक होगी और न ही उसके मूल स्वरूप के अनुरूप। भारत के लिए रक्षा सहयोग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष रणनीतिक स्वायत्तता है। भारत को किसी एक शक्ति-ध्रुव पर निर्भर होने की बजाय अलग-अलग साझेदारियों के माध्यम से अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना होगा। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक, ड्रोन, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष आधारित प्रणालियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में सहयोग भविष्य की सुरक्षा का आधार बन सकता है। हालांकि यहां सावधानी भी जरूरी है। ब्रिक्स में शामिल देशों के सामरिक हित हमेशा एक जैसे नहीं हैं। कई मामलों में उनके बीच मतभेद भी हैं। इसलिए संगठन से ऐसे निर्णयों की अपेक्षा करना, जिन पर सभी देश समान दृष्टिकोण रखते हों, व्यावहारिक नहीं होगा। ब्रिक्स की ताकत उसकी विविधता में है और कमजोरी भी यही विविधता बन सकती है। इसलिए रक्षा और ऊर्जा सहयोग को किसी देश के खिलाफ मोर्चेबंदी के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक दक्षिण की सामूहिक क्षमता बढ़ाने के माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। ब्रिक्स का भविष्य इस बात से तय होगा कि वह घोषणाओं से आगे बढ़कर कितनी ठोस परियोजनाएं खड़ी कर पाता है। साझा ऊर्जा गलियारे, नई ऊर्जा निवेश, तकनीकी सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति और रक्षा तकनीक में साझेदारी यदि जमीन पर उतरती है तो ब्रिक्स वैश्विक व्यवस्था में एक प्रभावशाली आर्थिक-रणनीतिक मंच के रूप में उभर सकता है। दुनिया अब केवल तेल के कुओं और हथियारों से नहीं, बल्कि तकनीक, ऊर्जा स्रोतों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और डेटा से भी शक्ति तय कर रही है। ऐसे में ब्रिक्स के लिए रक्षा और ऊर्जा पर फोकस समय की मांग है। भारत को इस बदलती व्यवस्था में अपनी भूमिका केवल भागीदार की नहीं, बल्कि दिशा तय करने वाले देश की बनानी होगी। यही उसकी रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक नेतृत्व, दोनों की कसौटी होगी।

भूदान आंदोलन के जनक विनोबा भावे को श्रद्धा सुमन अर्पित की

संवाददाता

देहरादून। सर्वोदय मंण्डल ने भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की 131वीं जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

आज यहां आचार्य विनोबा भावे की 131 वीं जयंती पर सर्वोदय मण्डल, देहरादून द्वारा श्रद्धांसुमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर पर वरिष्ठ सर्वोदय सदस्य अशोक नारंग द्वारा विनोबा भावे के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि किस प्रकार विनोवा जी. ने 1940 मे जेल मे रहते हुए गीता का मराठी भाषा मे अनुवाद किया, उसी प्रकार हम लोगों को भी रचनात्मक गतिविधियां करनी होगी। अध्यक्ष यशवीर आर्य, सचिव कुसुम रावत, कोषाध्यक्ष नवीन मित्तल ने विनोबा भावे पर अपने विचार व्यक्त किये। विनोबा भावे को गाँधी पार्क में बापू के सानिध्य में ही पुष्पांजलि अर्पित की गई।

'पॉलिटिकल लैब' में बिछी हैट्रिक के लिए 'बिसात'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 की चुनावी पटकथा लिखे जाने से पहले भाजपा ने कुमाऊं को अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बना दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का हल्द्वानी दौरा इसी रणनीति का संकेत है। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के मंच से संगठन को चुनावी मोड में लाने के साथ ही भाजपा ने कांग्रेस पर वैचारिक और राजनीतिक हमला भी तेज कर दिया। संदेश एकदम स्पष्ट है कि भाजपा चुनाव का इंतजार करने के बजाय मैदान पहले ही अपने कब्जे में लेने की तैयारी कर रही है।

हल्द्वानी में नितिन नवीन की सक्रियता को केवल संगठनात्मक कार्यक्रम मानना राजनीतिक तौर पर अधूरा आकलन होगा। कुमाऊं में भाजपा के सामने सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य है तो कांग्रेस सत्ता विरोधी माहौल को चुनावी पूंजी बनाने की कोशिश में है। ऐसे में राष्ट्रीय नेतृत्व का सीधे मैदान में उतरना बताता है कि भाजपा हर सीट, हर बूथ और हर सामाजिक समीकरण की नए सिरे से पड़ताल कर रही है।

भाजपा के लिए कुमाऊं का महत्व सीटों के आंकड़े से कहीं बड़ा है। यह क्षेत्र कांग्रेस की परंपरागत राजनीतिक जमीन भी रहा है और कई विधानसभा क्षेत्रों में स्थानीय समीकरण चुनाव का रुख बदलते रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा अब संगठन की पकड़ को मजबूत करने के साथ-साथ उन सीटों पर भी फोकस बढ़ा रही है जहां मुकाबला आसान नहीं माना जाता। नितिन नवीन की मौजूदगी में संगठन को जो संदेश गया, उसका सार यही है कि अब टिकट केवल दावेदारी से नहीं, जमीन पर ताकत से तय होगा।

स्थानीय स्तर पर सक्रियता, बूथ की स्थिति, जनता के बीच स्वीकार्यता और संगठन के साथ तालमेल, इन सभी कसौटियों पर नेताओं की राजनीतिक उपयोगिता परखी जाएगी। यह संदेश मौजूदा विधायकों के लिए भी है और टिकट की कतार में खड़े नए चेहरों के लिए भी। भाजपा

◆संगठन से सामाजिक समीकरण तक साधने की कोशिश की
◆कमजोर सीटों, युवा और बूथ प्रबंधन पर भाजपा की है नजर
◆कार्यसमिति के बहाने कुमाऊं में भाजपा ने खोला चुनावी मोर्चा
◆राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश,संगठन की ताकत ही जीत की गारंटी

की चुनावी रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू टिकट वितरण है। पार्टी पहले ही संगठनात्मक ढांचे को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दे रही है। नितिन नवीन के दौरे ने इस रणनीति को और राजनीतिक वजन दिया है।

इसका सीधा अर्थ है कि 2027 में टिकट की दौड़ में केवल बड़े नाम पर्याप्त नहीं होंगे। पार्टी यह देखेगी कि कौन नेता अपने क्षेत्र में संगठन को कितना मजबूत कर सकता है और चुनावी मुकाबले में कितनी प्रभावी लड़ाई दे सकता है। यही समीकरण कई पुराने चेहरों के लिए चुनौती बन सकता है। हल्द्वानी में भाजपा अध्यक्ष का कांग्रेस पर हमला भी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। खासकर रामलीला मैदान के कथित शुद्धिकरण विवाद के बीच दलित सम्मान और कांग्रेस के इतिहास को लेकर नितिन नवीन के बयान ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया। भाजपा ने जहां कांग्रेस को उसके राजनीतिक इतिहास के आईने में खड़ा करने की कोशिश की, वहीं कांग्रेस इस प्रकरण को सामाजिक सम्मान और संवैधानिक मूल्यों से जोड़कर भाजपा पर पलटवार कर रही है। यानी हल्द्वानी का मैदान अब सिर्फ एक विवाद का केंद्र नहीं, बल्कि 2027 की राजनीतिक कथा गढ़ने का अखाड़ा बनता जा रहा है।

भाजपा की अगली चुनौती युवा मतदाता है। रोजगार, भर्ती परीक्षाएं, पलायन, शिक्षा और स्थानीय अवसरों से जुड़े सवाल उत्तराखंड की राजनीति में लगातार प्रभावी रहे हैं। नितिन नवीन के दौरे में युवा संवाद को महत्व दिया जाना बताता है कि पार्टी इस वर्ग को केवल चुनावी आंकड़े के तौर पर नहीं देख रही, बल्कि उसके असंतोष और अपेक्षाओं को समझने की कोशिश कर रही है। जिस युवा के हाथ में मोबाइल है, वही चुनावी नैरेटिव बदलने की क्षमता भी रखता है। भाजपा जानती है कि बूथ की मशीनरी और डिजिटल नैरेटिवकृदोनों को साथ साधे बिना अगला चुनाव आसान नहीं होगा।

कुमाऊं में पूर्व सैनिक परिवारों का

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

इतिहास बनाम अस्मिता की जंग

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद हुए कथित शुद्धिकरण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच शुरू हुआ विवाद अब सीधे राजनीतिक टकराव में बदल गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने हल्द्वानी पहुंचकर कांग्रेस पर दलितों के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि जिस कांग्रेस का इतिहास दलितों के अपमान का रहा हो, वह सम्मान की बात नहीं कर सकती।

नितिन नवीन के इस हमले पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए सवाल खड़ा किया है कि मुद्दा कांग्रेस के इतिहास का है या हल्द्वानी में खरगे की सभा के बाद हुए शुद्धिकरण का? कांग्रेस का कहना है कि भाजपा को इतिहास के पन्ने पलटने के बजाय पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि सार्वजनिक मंच का शुद्धिकरण किस मानसिकता और संदेश के साथ किया गया।

विवाद अब केवल एक कार्यक्रम के बाद किए गए धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे दलित अस्मिता और संवैधानिक समानता से जोड़ रही है, जबकि भाजपा कांग्रेस पर इस प्रकरण को राजनीतिक रंग देने और धार्मिक भावनाओं से जुड़े मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इससे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच वैचारिक टकराव और तेज हो गया है। नितिन नवीन ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दौरान कांग्रेस पर हमला बोलते हुए शुद्धिकरण विवाद को कांग्रेस के दलित विरोधी इतिहास से जोड़ने की कोशिश की। भाजपा का तर्क है कि कांग्रेस इस मुद्दे को राजनीतिक हथियार बनाकर समाज को बांटने का प्रयास कर रही है। लेकिन कांग्रेस ने भाजपा के इस तर्क को मुद्दे से भटकाने की कोशिश करार दिया है। पार्टी का कहना है कि अगर घटना गलत नहीं थी तो जांच और जवाबदेही से भाजपा को परेशानी क्यों हो रही है?

कांग्रेस का हमला सीधा हैकृखरगे के मंच पर शुद्धिकरण क्यों हुआ? इसके पीछे

◆नितिन नवीन के हमले के बाद कांग्रेस का पलटवार
◆विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ गया राजनीतिक पारा
◆भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस के इतिहास पर उठाए सवाल
◆कांग्रेस पार्टी ने भाजपा से घटना पर सीधा जवाब मांगा

कौन था? इसका संदेश क्या था? कांग्रेस पहले ही इस घटना को सामाजिक भेदभाव और दलित सम्मान से जोड़कर विरोध दर्ज करा चुकी है। पार्टी ने देहरादून में प्रदर्शन किया और मामले में कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी भी दर्ज की है और जांच आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून की धारा भी लगाई गई है।

यही इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पक्ष है। धार्मिक आस्था का सम्मान लोकतंत्र की बुनियादी भावना है, लेकिन आस्था के नाम पर किसी व्यक्ति या समुदाय की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगे तो सवाल संवैधानिक समानता तक पहुंचता है। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने फिलहाल पुलिस को मामले की जांच करने देने का रास्ता अपनाया है और राज्य सरकार की ओर से महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सुरक्षित रखने का आश्वासन दर्ज किया गया है। इसलिए राजनीतिक बयानबाजी के बीच असली कसौटी अब जांच होगी। कौन सही है, कौन गलत है इसका फैसला नारों और मंचों से नहीं, तथ्यों और कानून के आधार पर होना चाहिए।

2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच हल्द्वानी का यह विवाद भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बन चुका है। भाजपा इसे कांग्रेस की कथित तुष्टीकरण और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ मुद्दा बना रही है, जबकि कांग्रेस इसे भाजपा की कथित जातिवादी और सामाजिक विभाजन की राजनीति के उदाहरण के रूप में पेश कर रही है। यानी रामलीला मैदान अब सिर्फ एक मैदान नहीं रहा कि वह भाजपा और कांग्रेस के बीच वैचारिक और चुनावी संघर्ष का नया अखाड़ा बन गया है। सवाल अब यह नहीं कि कौन किस पर कितना बड़ा आरोप लगाता है। सवाल यह है कि राजनीति आस्था की रक्षा के नाम पर आगे बढ़ेगी या संविधान की समानता को केंद्र में रखकर? हल्द्वानी का जवाब आने वाले चुनावी विमर्श की दिशा तय कर सकता है।

त्योहारी सीजन को लेकर पुलिस अलर्ट, लंबित विवेचनाएं समय पर पूरी करने के निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद के पुलिस उपाधीक्षकों, प्रभारी निरीक्षकों और थानाध्यक्षों के साथ आदेश कक्ष आयोजित कर कानून-व्यवस्था, लंबित विवेचनाओं और आगामी त्योहारी सीजन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न मामलों के समयबद्ध निस्तारण और प्रभावी पुलिसिंग को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस मुख्यालय से जारी दैनिक कार्य विवरणिका के अनुरूप प्रत्येक थाना और कोतवाली में नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा कार्य विवरणिका डायरी में दर्ज सभी बिंदुओं पर प्रभावी अमल करने के निर्देश दिए। उन्होंने 60 और 90 दिन की समयसीमा के भीतर पूरी की जाने वाली विवेचनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय से निस्तारित करने को कहा। जिन मामलों में तकनीकी कारणों से जांच लंबित है, उनकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए मादक पदार्थ तस्करी के आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने और आवश्यकतानुसार उनकी संपत्तियां फ्रीज करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा गुमशुदगी के मामलों में पुलिस मुख्यालय की मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) के अनुरूप मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को विशेष सतर्कता बरतने, त्यौहार रजिस्टर का अवलोकन कर संवेदनशील क्षेत्रों की समीक्षा करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए।

गरुड़ में श्रम विभाग का कार्यालय खोलने की मांग

बागेश्वर(आरएनएस)। तहसील गरुड़ में श्रम विभाग का उप कार्यालय या नियमित कैंप कार्यालय खोलने की मांग तेज हो गई है। उत्तराखंड क्रांति दल के ब्लॉक अध्यक्ष गिरीश कोरंगा एडवोकेट ने मंगलवार को तहसीलदार गरुड़ के माध्यम से मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री, सचिव श्रम विभाग और जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। उक्रांद ने कहा कि गरुड़ क्षेत्र में बड़ी संख्या में निर्माण और असंगठित श्रमिक रहते हैं। श्रमिकों को पंजीकरण, नवीनीकरण, श्रमिक कार्ड और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए 50-60 किलोमीटर दूर बागेश्वर जाना पड़ता है। इससे दिहाड़ी मजदूरों का समय और एक दिन की मजदूरी भी प्रभावित होती है। दल ने गरुड़ में स्थायी श्रम विभाग की शाखा खोलने, स्वीकृति होने तक साप्ताहिक कैंप लगाने, स्थानीय स्तर पर पंजीकरण और योजनाओं के आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा गांव-गांव जागरूकता शिविर आयोजित करने समेत सात सूत्रीय मांगें रखीं।

न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ-2026 का शुभारंभ

अल्मोड़ा(आरएनएस)। हवालबाग विकासखंड स्थित राजकीय इंटर कॉलेज कमलेश्वर में बुधवार से दो दिवसीय न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग की प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना, विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के संरक्षक आनंद सिंह डंगवाल ने ग्राम प्रधान पूरन सिंह बिष्ट, प्रदीप सिंह पालनी और भास्कर राम के साथ दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया। इसके बाद खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, खो-खो और कबड्डी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि आनंद सिंह डंगवाल ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। किसान भूषण सुनील सिंह बिष्ट ने युवाओं से खेलों के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया। ग्राम प्रधानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। प्रधानाचार्य खजान चंद्र कांडपाल ने कहा कि खेल महाकुंभ ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मिशन-2027 के लिए भाजपा का 'हैट्रिक प्लान'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा ने विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया है। हल्द्वानी में प्रदेश पदाधिकारी एवं विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संगठन को चुनावी मोड में पूरी ताकत के साथ उतरने का संदेश दिया। पार्टी ने सिर्फ सत्ता बरकरार रखने के बजाय हैट्रिक के साथ दो-तिहाई बहुमत की दिशा में बढ़ने का लक्ष्य रखा है।

नितिन नवीन का उत्तराखंड दौरा ऐसे समय हुआ है जब प्रदेश में चुनावी गतिविधियां तेज हो रही हैं। पार्टी नेतृत्व संगठन और सरकार दोनों के कामकाज की समीक्षा कर रहा है। भाजपा के लिए यह कवायद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2027 में उसे सत्ता विरोधी रुझानों, बेरोजगारी, पलायन और स्थानीय मुद्दों पर विपक्ष के हमलों का सामना करना होगा। भाजपा के नए चुनावी रोडमैप में संगठन को नीचे तक सक्रिय करने पर विशेष जोर है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार नवीन ने मंडल के बजाय शक्ति केंद्र आधारित रणनीति के साथ चुनावी तैयारी का आह्वान किया। इसका मतलब साफ है कि भाजपा चुनाव के अंतिम चरण का इंतजार करने के बजाय अभी से मतदाता संपर्क, संगठन विस्तार और बूथ प्रबंधन को मजबूत करना चाहती है। पार्टी के लिए असली चुनौती यही होगी कि प्रदेश नेतृत्व का संदेश प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र और प्रत्येक बूथ तक कितनी मजबूती से पहुंचता है।

भाजपा ने टिकट वितरण को लेकर भी संकेत स्पष्ट किए हैं। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के अनुसार पार्टी सर्वे के आधार पर जिताऊ चेहरों को प्राथमिकता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पार्टी की ओर से कराए गए एक सर्वे में भाजपा को 55 सीटों पर बढ़त का दावा भी सामने आया है, हालांकि यह पार्टी का आंतरिक आकलन है, स्वतंत्र चुनाव परिणाम नहीं। यानी टिकट में सिफारिश से ज्यादा चुनाव जीतने की क्षमता को तरजीह देने का संदेश दिया जा रहा है।

◆हैट्रिक के लिए भाजपा का प्लान तैयार, नितिन नवीन ने दिखाया जीत का रास्ता
◆जिताऊ चेहरों पर दांव और सामाजिक समीकरण साधने की बन गई है रणनीति
◆पूर्व सैनिकों और सिख समाज सम्मेलन के जरिए अब संपर्क बढ़ाने की कवायद

भाजपा का चुनावी प्लान केवल संगठन तक सीमित नहीं है। नितिन नवीन के दौरे में पूर्व सैनिकों और सिख समाज से जुड़े कार्यक्रम भी रखे गए हैं। पूर्व सैनिक सम्मेलन में हजारों लोगों के शामिल होने की तैयारी की गई थी। यह संकेत है कि पार्टी अलग-अलग सामाजिक समूहों तक पहुंच बढ़ाकर अपने समर्थन आधार को चुनाव से पहले और व्यापक करना चाहती है। संगठन मजबूत होने के बावजूद चुनाव जीतने के लिए सरकार के कामकाज को जनता के बीच प्रभावी ढंग से पहुंचाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, निवेश, चारधाम, महिला कल्याण और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार अपनी उपलब्धियां गिनाएगी।

वहीं कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल इन्हीं क्षेत्रों में सरकार की कमियां गिनाकर सत्ता विरोधी माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। यानी भाजपा की रणनीति का अगला चरण उपलब्धि बनाम आरोप की राजनीतिक लड़ाई होगा। हल्द्वानी में भाजपा का महामंथन ऐसे समय हुआ जब रामलीला मैदान के कथित शुद्धिकरण को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। मामला अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जांच और कानूनी प्रक्रिया तक पहुंच चुका है। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हाल में मामले में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए पुलिस को जांच जारी रखने दिया। ऐसे में भाजपा के सामने चुनौती है कि वह चुनावी विमर्श को केवल विवादों तक सीमित न रहने दे और सरकार के कामकाज तथा संगठन की तैयारियों को केंद्र में रखे।

भाजपा के हैट्रिक प्लान ने विपक्ष के सामने भी चुनौती बढ़ा दी है। कांग्रेस जहां सरकार के खिलाफ मुद्दों को धार देने में जुटी है, वहीं भाजपा चुनाव से काफी पहले संगठनात्मक तैयारी में बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है। 2027 में मुकाबला केवल नारों का नहीं होगा, जिस दल का संगठन बूथ तक मजबूत होगा और जो मतदाता के रोजमर्रा के सवालों का विश्वसनीय जवाब दे पाएगा, उसके लिए बढ़त बनाना आसान होगा।

हल्द्वानी में भाजपा ने लक्ष्य बड़ा रखा है। हैट्रिक और दो-तिहाई बहुमत। संगठन के पास चुनावी मशीनरी का अनुभव भी है और सत्ता की ताकत भी। लेकिन चुनावी गणित सिर्फ संगठन से नहीं बनता। महंगाई, रोजगार, पलायन, भू-कानून, मूल निवास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दे मतदाता के मन में क्या असर डालते हैं, यही भाजपा की रणनीति की असली परीक्षा होगी। नितिन नवीन ने पार्टी को जीत का लक्ष्य जरूर दे दिया है, लेकिन हैट्रिक का फैसला आखिरकार बूथ की मशीनरी नहीं, मतदाता की उंगली करेगी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव को 200 छात्राओं का टीकाकरण

विकासनगर(आरएनएस)। सर्वाइकल कैंसर से बचाव और समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से द इंडियन पब्लिक स्कूल, बाबूगढ़ में जागरूकता एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कुल 200 लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इनरव्हील क्लब ऑफ दून विकास के सहयोग से किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने छात्राओं और महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के कारणों, बचाव के उपायों और समय पर टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी। डॉ. मीना जैन और डॉ. सुचित्रा ने कहा कि जागरूकता और समय पर बचाव के उपाय सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कोषाध्यक्ष छवि गुप्ता ने भी टीकाकरण के महत्व पर जानकारी दी। कार्यक्रम के तहत विशेष रूप से 9 से 15 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं और 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए टीकाकरण की व्यवस्था की गई। इस दौरान 200 लाभार्थियों ने टीकाकरण कराया। कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब ऑफ दून विकास की अध्यक्ष अनामिका प्रशर, सचिव नम्रता अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष एवं जेडसीसी ममता अग्रवाल समेत क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

फर्जी फोटो से छवि बिगाड़ने का आरोप, हाईकोर्ट जाएंगे ठुकराल

रुद्रपुर(आरएनएस)। पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता राजकुमार ठुकराल ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का दुरुपयोग करते हुए उनके फर्जी फोटो तैयार किए और सोशल मीडिया पर प्रसारित किए। उन्होंने कहा कि मामले की शिकायत एसएसपी, एसपी, सीओ, एलआईयू और साइबर अपराध कार्यालय में करने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि अब वह उच्च न्यायालय का रुख कर संबंधित पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगेंगे।

ठुकराल ने कहा कि संदीप सिंह और बिट्टू ठुकराल के नाम से कथित फर्जी पहचान बनाकर एआई की मदद से उनके फोटो तैयार किए गए।आरोप लगाया कि एक फोटो में उन्हें गोल टोपी पहने दिखाया गया, जबकि दूसरे में आरकेटी लिखा डंपर दर्शाया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे फोटो प्रसारित करने का उद्देश्य उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि खराब करना है। ठुकराल ने कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और सनातन धर्म में आस्था रखते हैं। कहा कि एआई तकनीक का दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है। इसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति की छवि खराब करने और उसे मानसिक रूप से परेशान करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने एआई के बढ़ते दुरुपयोग को देखते हुए इसके प्रभावी नियमन की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा कि एआई के जरिए उनके कुर्सी पर बैठे होने समेत कई अन्य फोटो तैयार कर प्रसारित किए गए हैं। उन्होंने वर्ष 2022 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र करते हुए दावा किया कि उस समय भी उनके राजनीतिक भविष्य को खत्म करने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद उन्होंने भाजपा से विश्वासघात नहीं किया। उनके अनुसार, कांग्रेस का टिकट मिलने के बावजूद उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा और तीन साल तक इंतजार किया। नगर निगम चुनाव का जिक्र करते हुए ठुकराल ने दावा किया कि वह और उनके भाई संजय ठुकराल भाजपा प्रत्याशी विकास शर्मा के समर्थन में सामने नहीं आते तो विकास मेयर नहीं बन पाते। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद उनके साथ धोखा किया गया। भाजपा सरकार पर महंगाई को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है। किच्छा और सिरौलीकलां में प्रस्तावित निकाय चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, वह उसका पालन करेंगे।

मेकअप के दौरान कलर करेक्टर का इस्तेमाल करते समय न करें ये 5 गलतियां

कलर करेक्टर का इस्तेमाल मेकअप को बेहतरीन बनाने में मदद करता है। यह त्वचा की असमानताओं को छिपाने और एक समान रंग देने में सहायक होता है। हालांकि, कई महिलाएं कलर करेक्टर का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पातीं और इससे उनका मेकअप बिगड़ जाता है। इस लेख में हम आपको 5 आम गलतियों के बारे में बताएंगे, जिन्हें महिलाएं कलर करेक्टर का इस्तेमाल करते समय करती हैं और इनसे कैसे बचा जा सकता है।

गलत रंग का चयन करना : कलर करेक्टर का सही रंग चुनना बहुत जरूरी होता है। कई महिलाएं अपने त्वचा के रंग को ध्यान में रखे बिना ही किसी भी रंग का चयन कर लेती हैं, जिससे उनका मेकअप अच्छा नहीं दिखता। उदाहरण के लिए, अगर आपकी त्वचा का रंग हल्का है तो पीच या नारंगी शेड बेहतर होते हैं, जबकि गहरे त्वचा रंग वाली महिलाओं के लिए हरा या पीला शेड उपयुक्त होते हैं। सही रंग चुनने से आपका मेकअप ज्यादा निखरता है।

ज्यादा मात्रा में उपयोग करना : कलर करेक्टर का ज्यादा उपयोग करना एक बड़ी गलती हो सकती है। कुछ महिलाएं यह सोचती हैं कि ज्यादा मात्रा में कलर करेक्टर लगाने से उनकी समस्याएं बेहतर तरीके से छिपेंगी, लेकिन ऐसा नहीं होता। ज्यादा मात्रा में कलर करेक्टर लगाने से चेहरा भारी दिखने लगता है और प्राकृतिक रूप से छिपी हुई समस्याएं उभरकर सामने आने लगती हैं। इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही कलर करेक्टर का उपयोग करें, ताकि आपका मेकअप स्वाभाविक लगे।

गलत जगह पर लगाना : कलर करेक्टर लगाने की जगह भी अहम होती है। कई महिलाएं बिना सोचे-समझे कहीं भी कलर करेक्टर लगा लेती हैं, जिससे उनका पूरा लुक बिगड़ जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं तो वहां पीच या नारंगी शेड लगाएं, ताकि वे छिप जाएं। इसी तरह अगर आपकी त्वचा पर लाल धब्बे हैं तो उन्हें छिपाने के लिए सही जगह पर सही रंग का उपयोग करें।

गलत तरीके से मिलाना : कलर करेक्टर को सही तरीके से मिलाना बहुत जरूरी होता है, ताकि वह त्वचा में पूरी तरह मिल जाए और अलग से दिखाई न दे। कई महिलाएं इसे ठीक से नहीं मिलातीं, जिससे उनका मेकअप बनावटी लगता है। सही तरीके से मिलाने के लिए पहले उंगलियों या स्पंज की मदद से हल्के हाथों से फैलाएं, फिर ब्रश की मदद से सेट करें। इससे आपका मेकअप प्राकृतिक दिखेगा और लंबे समय तक टिका रहेगा।

बेस मेकअप के साथ मेल न खाना : कलर करेक्टर और बेस मेकअप का मेल होना चाहिए, ताकि आपका चेहरा एक समान दिखे। कई बार महिलाएं अलग-अलग ब्रांड या शेड का उपयोग कर लेती हैं, जिससे उनका चेहरा असंगत दिखता है। हमेशा एक ही ब्रांड और शेड का उपयोग करें, ताकि आपका मेकअप पूरी तरह संतुलित लगे। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपने मेकअप को बेहतरीन बना सकती हैं और हर मौके पर खूबसूरत दिख सकती हैं।

सूटकेस का चयन करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चुनाव

सूटकेस एक अहम यात्रा से जुड़ी वस्तु है। सही सूटकेस चुनना आपकी यात्रा को आरामदायक और सुविधाजनक बना सकता है। आजकल बाजार में कई तरह के सूटकेस उपलब्ध हैं, जिनमें से सही का चयन करना मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही सूटकेस चुन सकते हैं। ये सुझाव न केवल आपके सामान को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि यात्रा को भी आरामदायक बनाएंगे।

आकार और वजन पर ध्यान दें : सूटकेस का आकार और वजन बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हवाई यात्रा करते हैं तो हल्का और मध्यम आकार का सूटकेस सबसे अच्छा होता है, क्योंकि एयरलाइन कंपनियां अक्सर वजन सीमा निर्धारित करती हैं। इसके अलावा मध्यम आकार का सूटकेस आसानी से कैरी ऑन या चेक-इन किया जा सकता है। अगर आप सड़क यात्रा पर जा रहे हैं तो बड़ा सूटकेस चुन सकते हैं, जिसमें ज्यादा सामान आ सकता है।

सामग्री की गुणवत्ता जांचें : सूटकेस की सामग्री भी बहुत जरूरी होती है। प्लास्टिक, कपड़ा या चमड़ा, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है। प्लास्टिक सूटकेस हल्के होते हैं, लेकिन जल्दी टूट सकते हैं। कपड़े वाले सूटकेस मजबूत होते हैं, लेकिन गंदे हो सकते हैं। चमड़े वाले सूटकेस आकर्षक होते हैं, लेकिन महंगे भी होते हैं। इसलिए, अपनी जरूरत के हिसाब से सामग्री का चुनाव करें, ताकि आपका सामान सुरक्षित रहे और यात्रा भी आरामदायक हो सके।

पहियों की गुणवत्ता देखें : सही पहिये वाला सूटकेस चुनना बेहद जरूरी है, ताकि आप उसे आसानी से घुमा सकें। दोहरे या तिहरे पहियों वाले सूटकेस सबसे अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये हर दिशा में आसानी से चल सकते हैं। इसके अलावा पहियों की गुणवत्ता भी देखें, ताकि वे जल्दी खराब न हों और लंबे समय तक चल सकें। अच्छे पहिये वाला सूटकेस आपकी यात्रा को आरामदायक बना सकता है और आपको किसी भी स्थान पर पहुंचाने में मदद करेगा।

ताले की सुरक्षा पर ध्यान दें : सुरक्षित ताले वाला सूटकेस चुनना बहुत अहम है, ताकि आपका सामान चोरी होने से बचा रहे। तिहरा सुरक्षा ताला या कोड लॉक सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इन्हें खोलना मुश्किल होता है। इसके अलावा ताले की गुणवत्ता भी जांचें, ताकि यह लंबे समय तक टिक सके और आपके सामान को सुरक्षित रख सके। एक अच्छा ताला आपके यात्रा अनुभव को और भी सुरक्षित बना सकता है और आपको मानसिक शांति प्रदान करता है।

2027 से पहले धार्मिक मुद्दों पर 'महाभारत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी तलवारें एक बार फिर खिंच गई हैं। हल्द्वानी के शुद्धिकरण विवाद के बाद अब दुष्यंत गौतम के टीका प्रकरण ने दोनों प्रमुख दलों को सीधे आमने-सामने ला खड़ा किया है। कांग्रेस ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम की टिप्पणी को सनातन और धार्मिक आस्था का अपमान करार देते हुए भाजपा पर हमला बोला है। जवाब में भाजपा कांग्रेस की राजनीति और उसकी मंशा पर सवाल खड़े कर रही है। यानी विवाद अब सिर्फ एक नेता के बयान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भाजपा बनाम कांग्रेस की वैचारिक और राजनीतिक लड़ाई का नया मोर्चा बन गया है।

कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा धार्मिक प्रतीकों और सनातन की आस्था को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। पार्टी ने गौतम के बयान को इसी राजनीतिक सोच का उदाहरण बताते हुए भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सनातन करोड़ों लोगों की आस्था है और किसी राजनीतिक दल को इसे अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। भाजपा के लिए कांग्रेस का यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी 2027 के चुनाव में सनातन, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था को अपने व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाने की तैयारी में है। ऐसे में गौतम का बयान विपक्ष को भाजपा पर हमला करने का नया अवसर दे रहा है।

रामलीला मैदान के कथित शुद्धिकरण को लेकर भाजपा और कांग्रेस पहले ही आमने-सामने हैं। कांग्रेस जहां इसे सामाजिक और धार्मिक अपमान से जोड़ रही है, वहीं भाजपा इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा विषय बता रही है। अब टीका विवाद ने दोनों दलों को फिर उसी बहस के बीच ला खड़ा किया है। कांग्रेस को भाजपा पर हमला करने का मुद्दा मिला है तो भाजपा के सामने अपने राजनीतिक नैरेटिव को बचाने की चुनौती है। इस पूरे

- ◆दुष्यंत गौतम के बयान को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को सीधे निशाने पर लिया
- ◆सनातन और धार्मिक आस्था के सवाल पर दलों में तेज हुआ आरोप-प्रत्यारोप
- ◆हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद के बाद टीका प्रकरण ने बढ़ाया सियासी तापमान

घटनाक्रम को 2027 की चुनावी राजनीति से अलग करके देखना मुश्किल है। भाजपा संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और सरकार की उपलब्धियों के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस सत्ता विरोधी मुद्दों को धार देने में जुटी है। ऐसे में धार्मिक विवाद दोनों दलों के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

कांग्रेस इन्हें ध्रुवीकरण और विभाजन की राजनीति के उदाहरण के रूप में पेश करेगी, जबकि भाजपा इन्हें सनातन और सांस्कृतिक अस्मिता के सम्मान के सवाल से जोड़कर जवाब देने की कोशिश करेगी। यही इस विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रश्न है। यदि भाजपा इसे धार्मिक आस्था का प्रश्न मानती है तो कांग्रेस इसे राजनीतिक इस्तेमाल का मामला बता रही है। इस तरह बहस अब इस बात पर नहीं रह गई कि टीका विवाद में किसने क्या कहा, बल्कि सवाल यह बन गया है कि क्या उत्तराखंड की 2027 की चुनावी लड़ाई विकास और जनसरोकारों से आगे बढ़कर आस्था और पहचान की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमटने जा रही है?

कांग्रेस के लिए यह विवाद भाजपा को घेरने का मौका है। पार्टी बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, भू-कानून, मूल निवास और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों के साथ धार्मिक विवादों को भी अपने चुनावी अभियान में जोड़ना चाहती है। भाजपा के लिए चुनौती दूसरी है। उसे एक तरफ कांग्रेस के हमले का जवाब देना है और दूसरी तरफ यह संदेश भी बनाए रखना है कि सरकार का चुनावी एजेंडा विकास और सुशासन पर केंद्रित है। यानी टीका विवाद में असली लड़ाई बयान की नहीं, राजनीतिक नैरेटिव की है।

हल्द्वानी के शुद्धिकरण विवाद और अब टीका विवाद ने संकेत दे दिया है कि उत्तराखंड में चुनावी तापमान बढ़ने लगा है। आने वाले महीनों में ऐसे मुद्दों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच टकराव और तेज होने की संभावना है। जनता के सामने अब दोनों दलों की परीक्षा होगी कि वह धार्मिक और राजनीतिक विवादों के बीच रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई और पहाड़ के विकास जैसे सवालों को कितना महत्व देते हैं। क्योंकि 2027 का चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं होगा। यह इस बात की भी लड़ाई होगा कि उत्तराखंड की राजनीति का एजेंडा कौन तय करेगा।

पोषण के प्रति जागरुकता को निकाली रैली

बागेश्वर (आरएनएस)। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत बाल विकास परियोजना बागेश्वर की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली परियोजना कार्यालय से शुरू होकर चौरासी, भीटालगांव, नुमाइशखेत समेत विभिन्न क्षेत्रों से गुजरी। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने लोगों को पोषण के महत्व की जानकारी दी और बच्चों व परिवार के आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने की अपील की। साथ ही जंक फूड से दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक किया। बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर सुनीता वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य लोगों को पोषण के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है।बच्चों को बचपन से ही संतुलित और पौष्टिक आहार देना जरूरी है। वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक षष्ठी कांडपाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर और बेहतर भविष्य के लिए पोषण जरूरी है। बच्चों, महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीमा खेतवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य बच्चों के आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना है।

शब्द सामर्थ्य -067

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

पाचन तंत्र को मजबूत और तनाव को दूर करने के लिए रोज करें गर्भासन

भारतीय संस्कृति में योग एक अनमोल विरासत है, जो शरीर और मन को स्वस्थ रखने का प्राचीन तरीका है। योग के अनेक आसनों में से एक गर्भासन है, जो उन्नत और प्रभावशाली मुद्रा माना जाती है। यह हठयोग का एक उन्नत आसन है, जिसमें शरीर भ्रूण (गर्भाशय में शिशु) जैसी आकृति बनाता है। यह संतुलन, मानसिक शांति और पेट के स्वास्थ्य के लिए उत्कृष्ट है।

यह मुख्य रूप से पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, पाचन में सुधार करता है और मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। हठयोग प्रदीपिका में 15 प्रमुख आसनों का वर्णन है। यह अक्सर प्रारंभिक आसनों के समूह के बाद, उत्तान-कूर्म या अन्य बंधनों के अंतर्गत आता है। इसमें पद्मासन लगाकर हाथों को जंघाओं और पिंडलियों के बीच से निकालकर कान तक लाया जाता है। गर्भासन गर्भ और आसन शब्द से मिलकर बनता है। गर्भ का मतलब भ्रूण होता है और आसन का मतलब मुद्रा। इस आसन को करने पर शरीर की मुद्रा ठीक वैसी ही दिखती है, जैसे मां के गर्भ में शिशु कुंडलित अवस्था में रहता है, जिस वजह से इसे गर्भासन कहा जाता है। इसको रोजाना कुछ मिनट करने मात्र से कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आयुष मंत्रालय ने इस आसन के महत्व पर जोर दिया है। उनके अनुसार, गर्भासन एक उन्नत योग मुद्रा है जो मन को शांत करने, तनाव कम करने, पाचन में सुधार करने और एकाग्रता बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन शरीर का लचीलापन बढ़ाता है, जोड़ों को मजबूत करता है और पीठ के निचले हिस्से में आराम पहुंचाता है।

इसे करना बेहद आसान हैं। करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं। इसके बाद कुक्कुटासन की तरह अपने हाथों को जांघों और पिंडलियों के बीच में फंसाकर कोहनियों तक बाहर निकालें। अब दोनों कोहनियों को मोड़ते हुए हाथों से दोनों कान पकडने की कोशिश करें। इस दौरान शरीर का पूरा भार कूल्हों पर होना चाहिए। सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी क्षमतानुसार इस स्थिति में रहने के बाद सामान्य हो जाएं। गंभीर पीठ दर्द, घुटने/कूल्हे की चोट या हर्निया की स्थिति में यह आसन न करें।

एक बार फिर चलन में आई कैप्री, जानिए इस बॉटम वियर को स्टाइल करने के तरीके

गर्मियों में महिलाएं कैप्री पहनना पसंद करती हैं, जो मध्यम लंबाई वाली पैंट या जींस होती हैं। यह परिधान सालों बाद एक बार फिर चलन में आ गया है। इसे पहनने के बाद गर्मी महसूस नहीं होती है और एक स्टाइलिश लुक भी मिल जाता है। कैप्री को सही तरीके से स्टाइल करने पर आप हर मौके पर आकर्षक लग सकती हैं। चाहे वह ऑफिस हो या कोई खास अवसर, कैप्री को अलग-अलग तरीकों से पहना जा सकता है।

हाल्टर नेक टॉप के साथ पहनें : हाल्टर नेक इस साल की सबसे ट्रेंडी नेकलाइन है, जिसके टॉप कैप्री के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। इस आउटफिट को पहनकर आपको एक स्टाइलिश और भीड़ से अलग लुक मिल जाएगा। जींस वाली कैप्री के साथ एकल रंग वाला हाल्टर नेक टॉप पेयर करें। इसके साथ आप पेंसिल या किटन हील पहन सकती हैं, जो आपको और भी आकर्षक लुक देंगी। लुक को पूरा करने के लिए एक सुंदर-सा शोल्डर बैग कैरी करें।

प्रिंटेड ब्लाउज के साथ मेल करें: अगर आप कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो प्रिंटेड ब्लाउज के साथ कैप्री का मेल करना अच्छा विकल्प हो सकता है। प्रिंटेड ब्लाउज आपके लुक में रंग भर देगा और आपको अलग दिखाएगा। आप फूलों वाले प्रिंट, पोल्का डॉट या ज्यामितीय डिजाइन वाले ब्लाउज चुन सकती हैं, जो गर्मियों की ताजगी को दर्शाते हैं। इसके साथ आप हल्के रंग की कैप्री पहन सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को संतुलित बनाए रखेगी और आपको आकर्षक दिखाएगी।

ट्यूब टॉप के साथ स्टाइल करें: कैप्री को स्टाइल करने का सबसे पश्चिमी और खास तरीका होगा उसके साथ ट्यूब टॉप पहनना। यह आउटफिट गर्मी के लिए सबसे बढ़िया रहेगा, क्योंकि इसमें आपको जरा भी असुविधा महसूस नहीं होगी। कूल प्रिंट वाला ट्यूब टॉप पहनकर उसके साथ डेनिम जींस वाली कैप्री पेयर कर लें। इसके अलावा आप एकल रंग या सुंदर प्रिंट वाले ट्यूब टॉप के साथ हल्के रंग वाली कैप्री भी पहन सकती हैं। पैरों में फ्लैट चप्पल पहनकर लुक पूरा करें।

शर्ट के साथ लगेगी शानदार: अगर आप ऑफिस या कॉलेज में कैप्री पहनना चाहती हैं तो उसके ऊपर शर्ट पहन सकती हैं। यह स्टाइल खासतौर पर उन दिनों के लिए सही रहेगा, जब आप थोड़ा फॉर्मल लुक पाना चाह रही हों। आप नीली या सफेद रंग की शर्ट चुन सकती हैं और उसे गहरे रंग की कैप्री के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस लुक के साथ किटन हील या लोफर्स पेयर करें, ताकि आपका पूरा लुक संतुलित और एलिगेंट नजर आए।

एसिडिटी: लक्षण, कारण, इलाज, उपचार और परहेज

जब पेट की गेस्ट्रिक ग्लेंड, एसिड का उत्पादन बढ़ाने लगती है तो इस स्थिति को एसिडिटी कहते हैं। सामान्य रूप से हमारा पेट हाइड्रोक्लोरिक एसिड का स्राव करता है जो खाने को पचाने और तोड़ने का काम करता है। जब कोई व्यक्ति एसिडिटी से जूझता है तो उसके शरीर में अपच, गैस्ट्रिक सूजन, हार्टबर्न, एसोफेगस में दर्द, पेट में अल्सर और पेट में जलन जैसे लक्षण दिखते हैं।

एसिडिटी क्या है?

जब पेट की गेस्ट्रिक ग्लेंड, एसिड का उत्पादन बढ़ाने लगती है तो इस स्थिति को एसिडिटी कहते हैं। सामान्य रूप से हमारा पेट हाइड्रोक्लोरिक एसिड का स्राव करता है जो खाने को पचाने और तोड़ने का काम करता है। जब कोई व्यक्ति एसिडिटी से जूझता है तो उसके शरीर में अपच, गैस्ट्रिक सूजन, हार्टबर्न, एसोफेगस में दर्द, पेट में अल्सर और पेट में जलन जैसे लक्षण दिखते हैं। एसिडिटी आम तौर पर खाने की गलत आदतों, स्ट्रेस, धूम्रपान, शराब के सेवन, एक्सरसाइज का अभाव और खराब लाइफस्टाइल के चलते होती है। इसके अलावा एसिडिटी अधिकतर उन लोगों को भी होती है जो नॉनवेज का ज्यादा सेवन करते हैं या ऑयली और स्पासी फूड खाना पसंद करते हैं। नॉन स्टेरायडल एंटी इन्फ्लामेट्री ड्रग जैसी कुछ दवाएं लोगों को गैस्ट्रिक एसिडिटी से राहत दिला सकती हैं। लेकिन इस स्वास्थ्य समस्या में डॉक्टर की मर्जी के बिना कोई भी दवा लेना सही नहीं होगा।

एसिडिटी से पीड़ित लोगों को खाना खाने के बाद एसोफेगस में दर्द (गर्दन का ठीक निचला हिस्सा) और पेट में जलन व खट्टी डकारें आने जैसे लक्षण दिखते हैं। कभी-कभी, एसिडिटी वाले लोगों को कब्ज और अपच की समस्या भी हो जाती है। अम्लता का इलाज एंटासिड और खाने की आदतों व लाइफस्टाइल में बदलाव कर किया जा सकता है। एंडोस्टिज्म नामक एक नई तकनीक भी एसिड रिफ्लक्स से राहत दे सकती है। हालांकि एसिडिटी से जल्द आराम पाने के लिए कई जबरदस्त घरेलू नुस्खे भी मौजूद हैं। उन्हें अपनाकर भी एसिडिटी से आराम मिलता है।

एसिडिटी के लक्षण क्या हैं?

एसिडिटी के सामान्य संकेत और लक्षण कुछ इस प्रकार दिखते हैं-

पेट में जलन

गले में जलन

बेचैनी

डकार आना

जी मिचलाना

मुंह का स्वाद खट्टा स्वाद

खट्टी डकार

कब्ज

एसिडिटी के कारण क्या हैं?

1. नॉन वेजिटेरियन और स्पासी फूड का सेवन

2. स्मोकिंग और एल्कोहल का सेवन

3. तनाव लेना

4. पेट की बीमारियां जैसे पेप्टिक अल्सर, गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स रोग, पेट में मरोड़, आदि।

5. नॉन-स्टेरायडल एंटी इन्फ्लामेट्री ड्रग जैसी दवाओं का सेवन, आदि।

एसिडिटी का इलाज क्या है?

आमतौर पर, एसिडिटी का इलाज एंटासिड की मदद से किया जाता है जिसमें मैग्नीशियम या कैल्शियम या एल्यूमीनियम युक्त यौगिक होते हैं। ये एंटासिड पेट में मौजूद अतिरिक्त एसिड को बेअसर करते हैं, जिससे इसके लक्षणों से राहत मिलती है। एसिडिटी जैसी स्वास्थ्य समस्या में आपके डॉक्टर आपको हिस्टामाइन ब्लॉकिंग एजेंट (रिसेप्टर ब्लॉकर्स) जैसे कि सिमेटिडिन , रेनिटिडाइन, फेमोटीडीन या निजाटिडाइन या प्रोटोन पम्प इन्हिबटर जैसे ओमेप्रोजोले और लानसोप्राज़ोल लेने की सलाह दे सकते हैं। हालांकि एसिडिटी रोग के लिए सर्जरी भी उपलब्ध है, लेकिन ऐसे बहुत कम केस होते हैं जिनमें सर्जरी की जरूरत पड़ती है। वैसे एसिडिटी का इलाज घरेलू नुस्खो से भी किया जा सकता है। केला, तुलसी, ठंडा दूध, सौंफ, जीरा, लौंग, इलायची, पुदीना या पुदीना के पत्ते, अदरक, आंवला आदि एसिडिटी के लिए बेस्ट घरेलू नुस्खे माने जाते हैं।

एसिडिटी से बचाव क्या है?सीमेटीडाइन,

निम्नलिखित तरीकों से एसिडिटी की समस्या से बचा जा सकता है-

मसालेदार भोजन का सेवन न करें

अपनी डाइट में ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियां शामिल करें

खुद को हाइड्रेट रखें

खाने को चबा चबाकर खाएं

डिनर और नींद के बीच में कम से कम 3 घंटे का अंतर रखें

तुलसी के पत्ते, लौंग, सौंफ आदि चबाएं।

अनावश्यक रूप से दवाओं का सेवन न करें।

खाने की इन चीजों को फ्रिज में रखने से बचें, हो सकता है नुकसान

हम सभी लोग रोजाना इस्तेमाल में आने वाले खान-पान की चीजों को फ्रिज में रख देते हैं ताकि वे लंबे समय तक सुरक्षित रहेंहालांकि, ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें फ्रिज की बजाय बाहर ही रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि फ्रिज के ठंडे तापमान के कारण उनकी गुणवत्ता जल्दी खराब हो जाती हैचलिए फिर आज हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें आपको फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

टमाटर

टमाटर एक ऐसा फल है, जिसमें एंजाइम होता है। ऐसे में इसे ठंडे तापमान में करने की वजह से यह दिखने में ढीले और नरम और स्वाद में बेकार हो जाते हैंइसके अलावा ठंडे तापमान से टमाटर की स्वाद पैदा करने वाली कोशिकाएं भी टूट जाती है। इसके कारण टमाटर की बनावट खराब हो जाती है और ये कम स्वादिष्ट हो जाते हैंघर पर टमाटर से बने इन स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी आजमाएं।

एवोकाडो

बहुत से लोग एवोकाडो को भी फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिएदरअसल, एवोकाडो को फ्रिज में रखने से उनकी पकने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है इसलिए ये इस्तेमाल करने योग्य नहीं रह जाते हैंइसके अलावा ठंडे तापमान से एवोकाडो की बनावट भी बिगड़ जाती है, जिससे ये जल्दी सड़ सकते हैंइन समस्याओं से बचाव के लिए एवोकाडो को प्राकृतिक रूप से पकने दें। इससे उनकी गुणवत्ता और स्वाद, दोनों बरकरार रहेंगे।

ब्रेड

अमूमन लोगों के फ्रिज में आपको ब्रेड रखी मिल ही जाएगी, लेकिन ये गलत है। आपको फ्रिज में ब्रेड नहीं रखनी चाहिएविशेषज्ञों के मुताबिक, फ्रिज में ठंडे तापमान के कारण ब्रेड में मौजूद स्टार्च अशुद्ध हो सकता है। इस वजह से ब्रेड की नमी खत्म हो जाती है और इसकी गुणवत्ता खराब हो जाती हैहालांकि, इसके बावजूद आप इस ब्रेड का सेवन कर सकते हैं, लेकिन फ्रिज में रखने से इसके खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

आलू

बहुत से लोग आलू को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें फ्रिज में रख देते हैंहालांकि, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि फ्रिज में रखे आलू से बने व्यंजनों को खाने से आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता हैदरअसल, फ्रिज में ठंडे तापमान के कारण आलू में चीनी की मात्रा बढ़ सकती हैऐसे में आलू को तलने या भूनने पर उनमें कार्सिनोजेन नामक पदार्थ पैदा हो सकता है। यह पदार्थ कैंसर पैदा करने में सक्षम है।

खरबूज और तरबूज

बहुत से लोग खरबूज और तरबूज को काटकर फ्रिज में रख देते हैं और फिर ठंडा हो जाने के बाद इनका सेवन करते हैंहालांकि, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि इन्हें फ्रिज में रखने की वजह से ये अपना रंग और स्वाद खो देते हैंइसके कारण इनकी शेल्फ लाइफ में कमी आ जाती और गुणवत्ता भी खराब हो जाती हैयही कारण है कि सुपरमार्केट में भी खरबूज और तरबूज को फ्रिज में नहीं रखा जाता है।

यमुनोत्री हाईवे के 10 संवेदनशील स्थानों का होगा स्थायी उपचार

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री धाम की यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हाईवे चौड़ीकरण के साथ भूस्खलन प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों के स्थायी उपचार की कवायद तेज हो गई है। एनएच के चीफ इंजीनियर रणजीत सिंह रावत ने अधिकारियों के साथ यमुनोत्री हाईवे-94 और 507 का स्थलीय निरीक्षण कर चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने चौड़ीकरण कार्य में आ रही दिक्कतों और विभिन्न स्थानों पर कार्य की प्रगति से चीफ इंजीनियर को अवगत कराया। उन्होंने पालीगाड़ से जानकीचट्टी के बीच चिह्नित 10 भूस्खलन एवं संवेदनशील स्थानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इन स्थानों के स्थायी उपचार के लिए टीएचडीसी से वार्ता चल रही है। टीएचडीसी की ओर से इन प्वाइंटों की डीपीआर तैयार की जाएगी जिससे समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके।वहीं सारीगाड़ में चौड़ीकरण से प्रभावित कंडारी मोटर मार्ग की मरम्मत के लिए पीएमजीएसवाई को पत्र भेजा गया है। एस्टीमेट स्वीकृत होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़क को दुरुस्त कराया जाएगा। नौगांव-सौली के सिंकिंग जोन को लेकर भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही उपचार की दिशा तय होगी। चीफ इंजीनियर ने अधिकारियों को यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

दो लोगों को मिला आंदोलनकारी का दर्जा, आठ आवेदन निरस्त

नई टिहरी(आरएनएस)। राज्य आंदोलनकारी के रूप में चिह्नीकरण के लिए मिले 28 आवेदनों की जांच के बाद समिति ने दो आवेदनों को मंजूरी दी है। 18 आवेदनों को आवश्यक अभिलेख और जानकारी पूरी होने के बाद आगामी बैठक में पुनर्विचार के लिए रखने का निर्णय लिया गया जबकि पात्रता मानक पूरे न करने वाले आठ आवेदन निरस्त किए गए।जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण के लिए गठित समिति की बैठक हुई। 28 लोगों ने राज्य आंदोलनकारी चिह्नित करने के लिए आवेदन किया था जिसमें से विधि विहार नई टिहरी निवासी ओम प्रकाश भट्ट, कुजणी पट्टी के ग्राम कुमाली निवासी स्वर्गीय तोता सिंह को सर्वसम्मति से आंदोलनकारी चिह्नित किया गया।वहीं जौनपुर ब्लॉक के धनोल्टी निवासी जगत सिंह, वीरेंद्र सिंह, नई टिहरी के उस्मान समेत आठ आवेदनों को शासनादेश में निर्धारित पात्रता मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर निरस्त किया गया। इसके अलावा कीर्तिनगर ब्लॉक के ग्राम बडोन निवासी सुंदरमणि, नई टिहरी के विक्रम सिंह बिष्ट और विद्या नेगी सहित 18 लंबित प्रकरणों को आवश्यक अभिलेख एवं जानकारी के आधार पर आगामी बैठक में पुनर्विचार के लिए प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

सू- दोकू क्र.067

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.66 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

कुंभ मेला कार्यों में स्थानीय सुझावों को मिल रहा पूरा महत्व, मेला प्रशासन की जनसंवाद की मुहिम जारी

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों एवं निर्माण कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ ही मेला प्रशासन द्वारा जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं अन्य सभी हितबद्ध लोगों के सुझावों और फीडबैक को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर मेला प्रशासन एवं निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों से निरंतर संवाद कर उन्हें योजनाओं की जानकारी देने तथा उनके उपयोगी सुझावों को कार्ययोजनाओं में शामिल करने की पहल की जा रही है।

इसी क्रम में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने भूपतवाला क्षेत्र के पार्षदों, व्यापारियों, प्रबुद्धजनों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर दूधाधारी चौक से जटवाड़ा पुल तक सड़क नवीनीकरण की योजना की विस्तार से जानकारी दी और परियोजना के संबंध में उनके सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए।

निष्काम सेवा ट्रस्ट के सभागार में आयोजित बैठक में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने कहा कि कुंभ मेला-2027 के कार्यों में स्थानीय लोगों की सुविधा और सहूलियत का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसी उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद किया जा रहा है, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय आवश्यकताओं एवं उपयोगी सुझावों का समुचित समावेश किया जा सके।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र की मांग के अनुरूप सड़क के किनारे प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइट पोल लगाए जाएंगे। वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए उपयुक्त स्थानों पर रंबल स्ट्रिप तथा आवश्यकता के अनुसार डिवाइडर का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र में कुंभ मेला की मद से पार्किंग एवं शौचालय निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर मेला प्रशासन को अवगत कराने का भी आग्रह किया।

अपर मेलाधिकारी ने बताया कि पुराने दिल्ली-नीति पास राज्य मार्ग (ओ.डी.एन.)के इस हिस्से सहित हरिद्वार शहर में लोक निर्माण विभाग के अधीन अन्य आंतरिक मार्गों के बीसी (ब्लैक टॉप) नवीनीकरण एवं अन्य कार्यों के लिए कुंभ मेला मद से सरकार द्वारा ?2164.49 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार ने दूधाधारी चौक से जटवाड़ा पुल तक सड़क नवीनीकरण योजना की तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि सड़क को लगभग 10 से 11 मीटर चौड़ाई में ब्लैक टॉप किया जाएगा। सड़क पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए ड्रेनेज का प्रावधान भी किया गया है। सड़क के दोनों ओर बाहरी हिस्से में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी तथा पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए रेज्ड फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क नवीनीकरण के तहत प्रस्तावित सभी कार्य वर्तमान सड़क क्षेत्र के भीतर ही किए जाएंगे और परियोजना के दायरे में कोई भवन प्रभावित नहीं होगा।

बैठक में नगर निगम पार्षद महावीर वशिष्ठ, पार्षद सूर्यकांत शर्मा, पार्षद अनिल वशिष्ठ, पूर्व पार्षद लखन लाल चौहान, वरिष्ठ नागरिक सुभाष कपिल, गुलशन नैयर, व्यापार मंडल के प्रतिनिधि अजय अरोड़ा सहित क्षेत्र के अन्य नागरिकों ने योजना को लेकर अपने सुझाव दिए तथा क्षेत्र की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं नागरिकों ने मेला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों से पहले स्थानीय लोगों से संवाद किए जाने से क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं को योजनाओं में शामिल करने में मदद मिलेगी और इसका लाभ स्थानीय नागरिकों के साथ ही कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी लंबे समय तक मिल सकेगा।

इस दौरान तहसीलदार चमन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पपदेव में भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग

पिथौरागढ़(आरएनएस)। पपदेव के ग्रामीणों ने अवैध भूमि अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय किसान प्रकाश वर्मा समेत महिलाओं ने डीएम कार्यालय पहुंचकर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रकाश ने बताया कि कुछ लोग लगातार भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं। इसके कारण स्थानीय किसानों को कृषि और उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायत के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। ग्राम प्रधान कमला वर्मा ने पपदेव गांव को कृषि-उद्यान मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की मांग भी रखी।उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय किसानों को कृषि और उद्यान संबंधी योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा।

स्टाफ बैठक में डीएम ने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

अल्मोड़ा (आरएनएस)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी, नगर आयुक्त और सभी उपजिलाधिकारियों के साथ स्टाफ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रशासनिक एवं राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण पर जोर दिया गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान प्रशासनिक व्यवस्था में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है तथा अन्य कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

पंतनगर के 60 कर्मियों की नियमितीकरण सूची शासन को भेजी

रुद्रपुर(आरएनएस)।गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक मई 2003 से पूर्व दैनिक और नियत वेतन पर कार्यरत कर्मियों के नियमितीकरण की मांग को लेकर विधायक तिलक राज बेहड़ ने संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 60 कर्मियों की पात्रता सूची तैयार कर शासन को भेजी जा चुकी है। शेष पात्र कर्मियों को भी नियमितीकरण का लाभ दिलाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और शासन स्तर पर पैरवी की जा रही है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में बेहड़ ने कहा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान कर्मियों ने उनके समक्ष नियमितीकरण की मांग रखी थी। चुनाव के बाद उन्होंने मामले को विधानसभा में उठाने के साथ ही कुलपति और शासन के उच्च अधिकारियों से लगातार पत्राचार और वार्ता की।

गठित समिति की बैठकों में भी प्रगति की जानकारी ली जाती रही।उन्होंने 60 कर्मियों की सूची शासन को भेजे जाने पर विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार जताया। बेहड़ ने कहा कि 90 दिन से अधिक समय तक कार्य से बाहर रखे गए कर्मियों को भी पात्रता के आधार पर नियमितीकरण का लाभ मिलना चाहिए। वर्ष 2025 में विनियमितीकरण नियमावली से निरंतर सेवा शब्द हटाए जाने के बाद पात्र कर्मियों के लिए रास्ता और स्पष्ट हुआ है। जिन कर्मियों के प्रपत्र विभागों से अग्रसारित नहीं हो पाए हैं, उनके मामलों को भी पात्रता के आधार पर सूची में शामिल कराने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस मामले का श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनका उद्देश्य कर्मियों को उनका अधिकार दिलाना है। बेहड़ ने कर्मियों को आश्वस्त किया कि वह जल्द देहरादून जाकर संबंधित विभागीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और लंबित मामलों में स्वीकृति दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी करेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर कर्मियों के हक में संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

जब उत्तरकाशी में पहली बार गूंजा था अलेक्जेंडर ऑर्केस्ट्रा, 36 साल बाद फिर मिलीं वो यादें!

36 साल बाद आज देहरादून के तब के मशहूर एलेक्जेंडर आर्केस्ट्रा के मालिक अलेक्जेंडर साहब से मुलाकात हुई तो 36 साल पहले की यादें भी ताजा हो गई। आज देहरादून के मशहूर होटल शाइना इन/ टी बिस्ट्रो में बड़े भाई वरिष्ठ पत्रकार कांति कुमार उभान के ऑफिस में इनसे मुलाकात हुई।

बात 1990 की है तब मैं छात्र संघ अध्यक्ष निर्वाचित हुआ था। छात्र संघ समारोह में कुछ खास और अलग करना था तो तब के सबसे महंगे और प्रतिष्ठित और मशहूर कलाकार अलेक्जेंडर साहब और उनकी टीम को आमंत्रित किया। उत्तरकाशी में तब हमने पहली बार आर्केस्ट्रा शो आयोजित करवाया। ये शो उत्तरकाशी में धमाकेदार रहा, दर्शकों की भीड़ को नियंत्रित करना भी एक चुनौती था। जैसे तैसे शो रात 2 बजे तक चला फिर इसको जबरदस्ती रुकवाना पड़ा। उत्तरकाशी का पहला शो था, तब से लेकर आजतक किसी भी समारोह में इस तरह का शो आजतक किसी ने भी आयोजित नहीं किया। खैर देहरादून के संगीत के समशहूर गायक जॉन अलेक्जेंडर के संगीत का एक सुनहरा दौर रहा। सर जॉन अलेक्जेंडर देहरादून के संगीत इतिहास का एक बेहद प्रतिष्ठित नाम हैं। 1980 और 1990 का वह दौर यह वह समय था जब देहरादून में लाइव स्टेज परफॉर्मेंस, कॉलेज फेस्ट और स्थानीय म्यूजिक ग्रुप्स का बोलबाला था। अलेक्जेंडर सर इस दौर में दून घाटी के सबसे लोकप्रिय और वर्सेटाइल (बहुमुखी) गायकों में से एक माने जाते थे। वे विशेष रूप से बॉलीवुड के पुराने क्लासिक गानों को अपनी जादुई आवाज में मंच पर गाने के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। अलेक्जेंडर म्यूजिक ग्रुप द्वारा संचालित संगीत कार्यक्रमों ने देहरादून के उस दौर की युवा पीढ़ी को संगीत के प्रति बेहद आकर्षित किया था, जिसकी यादें आज भी दून के पुराने लोगों के दिलों में ताजा हैं।

आजादी के बाद के दौर में देहरादून के संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एलेक्जेंडर साहब और उनका ऑर्केस्ट्रा बेहद प्रसिद्ध था। शादी-ब्याह से लेकर बड़े राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में संगीत और ऑर्केस्ट्रा के लिए सबसे पहले एलेक्जेंडर साहब की उपलब्धता (डेट्स) चेक की जाती थी। उनकी लोकप्रियता अपनी बेहतरीन गायकी और आवाज के दम पर उन्हें उस दौर में उत्तराखंड का मोहम्मद रफी कहा जाता था। देहरादून के सबसे पहले ऑर्केस्ट्रा की जानकारी से जुड़े संस्मरणों में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। आज 36 साल बाद मिले तो बहुत अच्छा लगा तो एक सेल्फी तो बनती ही है।

◆लोकेंद्र सिंह बिष्ट
पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष।

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरू विहार नेहरू कालोनी निवासी नीलम पंत ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'पालिटिकल लैब' में बिछी हैट्रिक के..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

प्रभाव भी चुनावी समीकरणों में महत्वपूर्ण है। ऐसे में पूर्व सैनिकों के साथ संवाद और संगठनात्मक सक्रियता को भी भाजपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। एक तरफ सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की तैयारी है, दूसरी तरफ संगठन को बूथ स्तर पर सक्रिय किया जा रहा है। यही वह माडल है, जिसके सहारे भाजपा सत्ता विरोधी संभावित लहर को संगठन की ताकत से काटना चाहती है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं कि भाजपा मैदान में है। चुनौती यह है कि भाजपा कितनी जल्दी मैदान में उतर गई है। कांग्रेस अभी जहां मुद्दों और सरकार विरोधी माहौल को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा संगठनात्मक मशीनरी को चुनावी अभियान में बदलने में जुटी है। राष्ट्रीय नेतृत्व की लगातार सक्रियता भी इसी ओर संकेत कर रही है। कांग्रेस यदि भाजपा के खिलाफ केवल सरकार की नाकामियों का आरोप लगाकर चुनाव लड़ने की रणनीति बनाती है तो उसे भाजपा की जमीनी तैयारी का जवाब देने के लिए अपना संगठन भी उसी स्तर पर सक्रिय करना होगा। नितिन नवीन का हल्द्वानी दौरा भाजपा की चुनावी तैयारी का सिर्फ एक पड़ाव नहीं, बल्कि कुमाऊं में 2027 की बिसात बिछाने का संकेत है। अब भाजपा की नजर सिर्फ सत्ता बचाने पर नहीं, उन सीटों पर भी है जहां कांग्रेस उसे चुनौती देने की तैयारी कर रही है। असली मुकाबला अब नारों का नहीं है कि बूथ, भरोसे और सामाजिक समीकरणों का होगा। कुमाऊं ने करवट ली तो उत्तराखंड का चुनावी गणित भी बदल सकता है।

सुराज सेवा दल ने किया स्वास्थ्य मंत्री के आवास कूच

संवाददाता

देहरादून। लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के विरोध में सुराज सेवा दल ने स्वास्थ्य मंत्री आवास कूच किया।

आज यहां सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी के नेतृत्व में यमुना कालोनी चौक पर एकत्रित हुए जहां से उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री आवास के लिए कूच किया। जिनको पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शन कर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गम्भीर सवाल उठाए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि सरकार यह स्पष्ट करे कि पिछले पांच वर्षो में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कौन सी ठोस नीति बनायी गयी और उससे आम प्रदेशवासियों को क्या लाभ मिला। उन्होंने कहा कि एम्स जैसे बडे अस्पताल में भी उत्तराखण्ड के 80 प्रतिशत मरीजों को बैड तक नहीं मिलते हैं। अस्पतालों में अधिकांश स्टाफ

अन्य प्रदेशों का है, जिससे आम उत्तराखण्डियों को कोई विशेष लाभ नहीं मिल पा रहा है। उत्तराखण्ड के मरीजों को ऑपरेशन और स्वास्थ्य लाभ के लिए महीनों प्रतीक्षा करनी पडती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं किया गया, सरकारी अस्पतालों में आम जनता को बेहतर उपचार नहीं मिला और आयुष्मान व गोल्डन कार्ड जैसी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी तरीके से लागू नहं किया गया तो संगठन प्रदेश भर में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर देवेन्द्र बिष्ट, अजय मौर्या, अतिश मिश्रा, सुमित अग्रवाल आदि लोग शामिल रहे।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पौटा साहिब सिरमौर निवासी गौतम ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से कृणा फार्मा आया था। उसने अपनी एक्टिवा फार्मा के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

गोविन्द गढ निवासी राहुल साहनी ने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर से चोरी होने का मुकदमा कैण्ट कोतवाली में दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, स्कूटी बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। दुपहिया वाहन चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुरायी गयी स्कूटी बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार बीते रोज गौतम पुत्र पवन कुमार निवासी बदरपुर,पोंटा साहिब, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के द्वारा थाना सेलाकुई पर तहरीर देकर बताया गया था कि किसी अज्ञात चोर द्वारा सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र स्थित कृष कंपनी के पास से उनकी स्कूटी चोरी कर ली गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा देर रात एक सूचना के बाद मिलन चौक से नदी की ओर जाने वाले रास्ते से घटना को अंजाम देने वाले आरोपी सुनील सिंह कुंवर पुत्र हरि सिंह कुंवर निवासी ग्राम लंगसी, थाना जोशीमठ, जिला चमोली, को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे/निशानदेही पर चोरी की गई स्कूटी एक्टिवा को बरामद किया गया। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह सेलाकुई स्थित एक औद्योगिक संस्थान में मजदूरी का काम करता है तथा अपने खर्चों व महंगे शौकों को पूरा करने के लिए उसके द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। आरोपी घटना में चोरी की गई स्कूटी को बेचने की फिराक में था, पर उससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

लेखक मुकेश लाल ने कैबिनेट मंत्री से मुलाकात कर पुस्तक भेंट की

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से उनके कैंप कार्यालय में लेखक मुकेश लाल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी के गढ़वाली गीतों और उनके बोलों का अंग्रेजी में अनुवादित अनूठा संग्रह 'ब्रेडड इमोशंस' पुस्तक मंत्री गणेश जोशी को भेंट की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने पुस्तक के लिए लेखक मुकेश लाल को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र सिंह नेगी के गीत उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपराओं, पहाड़ की जीवनशैली और सामाजिक सरोकारों को स्वर देते हैं। उनके गीतों का अंग्रेजी में अनुवाद होने से उत्तराखंड की लोकभाषा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के पाठकों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि 'ब्रेडेड इमोशंस' जैसे प्रयास उत्तराखंड की लोक संस्कृति और साहित्य को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने लेखक के इस प्रयास की सराहना करते हुए पुस्तक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

14 से 16 सितंबर तक होगा छठा गणेश महोत्सव

संवाददाता

ऋषिकेश। श्री गणेश महोत्सव के अवसर पर न्यू स्टार क्लब ऋषिकेश एवं श्री गणपति सेवा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में 14 से 16 सितंबर तक तीन दिवसीय छठे गणेश महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। हरिद्वार रोड स्थित आशीर्वाद वाटिका में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न भजन संध्याओं का आयोजन किया जाएगा।

न्यू स्टार क्लब के संस्थापक के.के. सचदेवा ने बताया कि महोत्सव के दौरान 15 सितंबर को शाम 7 बजे 'रुद्र राग श्री महाकाल संध्या' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस विशेष संध्या में दिल्ली के टी-सीरीज फेम नितिन चक्रधारी एवं उनकी टीम द्वारा भगवान महाकाल को समर्पित भव्य भजन एवं संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

श्री गणेश महोत्सव के मुख्य आयोजक आलोक चावला व प्रिंस मनचंदा ने बताया कि श्री गणपति सेवा मंडल के तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर को प्रातः 11 बजे गणपति मूर्ति स्थापना एवं श्री गणेश वंदना के साथ होगा। आलोक चावला ने बताया कि महोत्सव में विश्व हिंदू महासंघ का विशेष सहयोग रहेगा। महोत्सव के आयोजन में राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन, न्यू स्टार क्लब, जय गुरु जी संगत, श्री खाटू श्याम परिवार, गंगेश्वर घाट 72 सीढ़ी, मां जानकी रसोई एवं जगन्नाथ आश्रम सहित विभिन्न संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहेगा।

ऋषिकुल को आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के विशिष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाएः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऋषिकुल को आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में हरिद्वार स्थित मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान, ऋषिकुल के समग्र विकास से संबंधित प्रस्तावित मास्टर प्लान की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष संस्थान के प्रस्तावित स्वरूप एवं विभिन्न गतिविधियों से संबंधित प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकुल को आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। इसके समग्र विकास में आयुर्वेद, मेडिकल टूरिज्म, योग, ज्योतिष और वैदिक गणित को विशेष प्रमुखता दी जाए। इन क्षेत्रों में उच्च स्तरीय शैक्षणिक, शोध एवं अध्ययन की व्यवस्थाएं विकसित की जाएं, जिससे यह संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शोध के बीच प्रभावी सेतु बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष, योग और संस्कृत देवभूमि उत्तराखण्ड की प्रमुख पहचान हैं। राज्य की इस विशिष्ट पहचान को ऋषिकुल के विकास में प्रमुखता से प्रतिबिंबित किया जाए। संस्थान में विकसित होने वाली शैक्षणिक गतिविधियां उच्च स्तरीय हों तथा यहां भारतीय ज्ञान, प्राच्य विद्याओं, आयुर्वेद और योग से संबंधित अध्ययन एवं शोध के लिए उत्कृष्ट वातावरण तैयार किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परिसर का वास्तुशिल्प प्राच्य एवं पारंपरिक स्थापत्य शैली के अनुरूप हो। भवनों के बाह्य स्वरूप और फसाड में प्राचीन स्थापत्य परंपरा की झलक दिखाई दे, जबकि परिसर में उपलब्ध कराई जाने वाली व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं आधुनिकतम हों। उन्होंने कहा कि प्राचीनता और आधुनिकता के संतुलित समन्वय से परिसर की विशिष्ट पहचान विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के प्रत्येक पहलू में इसकी मूल अवधारणा स्पष्ट रूप से दिखाई दे। संपूर्ण परिसर को इस प्रकार विकसित किया जाए कि यहां आने वाले लोगों को भारतीय संस्कृति, ज्ञान और अध्यात्म की अनुभूति हो तथा यह उन्हें आध्यात्मिक, भौतिक और भावनात्मक रूप से आकर्षित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा के कारण हरिद्वार का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। देश-दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक हरिद्वार आते हैं। इसलिए ऋषिकुल के विकास की अवधारणा में हरिद्वार की इस विशिष्टता को केंद्र में रखा जाए। यहां आने वाले लोगों को भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद, योग और अध्यात्म की समृद्ध विरासत को जानने और अनुभव करने का अवसर मिले।

अतिक्रमण के खिलाफ चला प्रशासन का पीला पंजा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमणमुक्त करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में आज नगर मजिस्ट्रेट हरि गिरि के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने ललतारौ पुल से लेकर बाल्मीकि चौक तक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

जिला प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से दुकानें सजाने, सड़क एवं फुटपाथ पर सामान रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने वाले लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही कई अतिक्रमणकारियों ने स्वयं ही अपना सामान समेटना शुरू कर दिया, जबकि जहां अतिक्रमण नहीं हटाया गया, वहां प्रशासन की टीम ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण को हटाया। नगर मजिस्ट्रेट हरि गिरि के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि सार्वजनिक मार्गों और सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी भी दी। प्रशासन की ओर से कहा गया कि शहर की सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों को आमजन के आवागमन के लिए सुगम बनाए रखना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। अतिक्रमण हटाओ अभियान में जिला प्रशासन एवं नगर निगम की टीम एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी को दी अंतरिम राहत

संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर की मस्जिद से जुड़े विवाद में अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी को अंतरिम राहत दी है। हाईकोर्ट ने प्रशासन की ओर से लगाए गए 6 करोड़ 41 लाख के जुर्माने और हर्जाने की वसूली पर अंतरिम रोक लगा दी है।कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब भी मांगा है और मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर 2026 को होगी। मामला उस मस्जिद से जुड़ा है, जिसे प्रशासन ने सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण मानते हुए हटाने का आदेश दिया थाइसके बाद मामला जिला अदालत तक पहुंचा और फिर मस्जिद को प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई के जरिए ध्वस्त कर दिया।

जुलाई 2026 में सहारनपुर के नगर मजिस्ट्रेट की अदालत ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित मस्जिद को सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा माना था। 2 सितंबर 2026 को जिला अदालत ने अपील खारिज कर दी। जिला अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद 5 सितंबर 2026 को प्रशासन ने मस्जिद को ध्वस्त कर दिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच करीब 16 घंटे तक कार्रवाई चली और मस्जिद को पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। यानी अभी कोर्ट ने मस्जिद को लेकर अंतिम फैसला नहीं दिया है, बल्कि फिलहाल आर्थिक वसूली वाले आदेश पर अंतरिम राहत दी गई है।

यूपी का शातिर नकबजन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। बंद मकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने यूपी के एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से अनुमानित 6 लाख रूपये के आभूषण व नगदी बरामद हुई है। आरोपी के पास से पुलिस ने चुरायी गयी सोने की चेन बेचकर खरीदी गयी बाइक भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते 5 सितम्बर को पुनीत पुण्डीर पुत्र कंवरपाल सिंह निवासी चौधरी फार्म, आदर्श कॉलोनी नकरौदा, हर्रावाला, देहरादून द्वारा कोतवाली डोईवाला में तहरीर देकर बताया गया था कि वह 4 सितम्बर को दिन के समय परिवार सहित घर से बाहर गये थे तथा जब वह अपने घर वापस आये तो देखा कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर के दरवाजे का ताला तोड़ कर अलमारी मे रखी सोने चांदी की ज्वैलरी, नगदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिये गये है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा

❑6 लाख रुपये के सोने व चांदी के आभूषण व नगदी हुई बरामद

दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के परिणाम स्वरुप बीती रात रेलवे स्टेशन रोड, हर्रावाला, डोईवाला से आरोपी जरीफ अहमद को उक्त घटना में चोरी की गई ज्वैलरी, नगदी व अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा घटना में चोरी की गयी सोने की चेन को बेच कर एक टीवीएस एपाचे मोटर साईकिल खरीदी गयी थी, जिसे आरोपी के कब्जे से बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि वह दिन के समय बंद घरों की रैकी कर मौका मिलते ही चिन्हित किये गए घर मे चोरी की घटना को अंजाम देता है, आरोपी मुख्य रूप से दिन के समय चोरी करता है तथा चोरी को अंजाम देकर अपनी पहचान छिपाने के लिए अपने मूल निवास उत्तर प्रदेश भाग जाता था। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कोतवाली डोईवाला व थाना रायपुर में चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं, जिसमे आरोपी जेल जा चुका है, तथा दो माह पूर्व ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

13 सितंबर को देहरादून में होंगी सीडीएस, एनडीए एवं एन परीक्षाएं

संवाददाता

देहरादून। 13 सितम्बर को सीडीएस, एनडीए व एन की परीक्षाएं दून में होंगी जिसके लिए 54 परीक्षा केन्द्रों पर 21 हजार 798 अभ्यार्थी शामिल होंगे।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आगामी 13 सितंबर 2026 (रविवार) को कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस), नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) एवं नेवल एकेडमी (एन) की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जनपद देहरादून में इन परीक्षाओं के लिए 54 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षाओं के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) केके मिश्रा ने सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षाओं को निर्विघ्न संपन्न कराने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा से संबंधित सीलबंद बॉक्स प्राप्त होने के बाद प्रत्येक परीक्षा केंद्र प्राप्त बॉक्स का विवरण एवं संख्या निर्धारित समय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा से एक दिन पूर्व केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण कर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में आयोग के अधिकारियों ने परीक्षा आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देशों एवं व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि सीडीएस परीक्षा में 8,001 तथा एनडीए एवं एनए परीक्षा में 13,797 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सीडीएस परीक्षा तीन पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली प्रातः 9 से 11 बजे, द्वितीय पाली 12:30 से 2:30 बजे तथा तृतीय पाली 4 से 6 बजे तक होगी। वहीं एनडीए एवं एनए परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रातः 10 से 12:30 बजे तथा द्वितीय पाली 2 से 4:30 बजे तक संपन्न होगी। अपर जिलाधिकारी ने परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।